



What is Arya Samaj?

Arya Samaj founded by Maharishi Dayanand Saraswati is an institution based on the teachings of Vedas for the welfare of universe. It propagates the universal doctrines of humanity. It is neither a religion nor a sect.

ARYAN VOICE

YEAR 41

11/2019-20

MONTHLY

November 2019

Republic Day of India Celebrations

**Sunday 26th January 2020
Arya Samaj Bhavan
11am to 1.30pm**

Car Parking on Sunday Congregation – Car owners can safely park their cars on Rookery Road where there is SINGLE YELLOW LINE.

321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.

Tel - 0121 359 7727

Website - www.arya-samaj.org

E-mail – enquiries@arya-samaj.org

Charity registration number 1156785

facebook <https://www.facebook.com/aryasamajwestmidlands/>

CONTENTS

10 Principles of Arya Samaj	3
The Road to Meet God - By Mr Krishan Chopra	4
वेदों में विज्ञान-५- आचार्य डॉ. उमेश यादव	6
Gayatri Mantra	10
Venue Hire Advert	11
Children's Corner - The Thief and the Brahmins	12
Matrimonial Service information	15
News (पारिवारिक समाचार)	16
New Building Refurbishment Fund	20
Appeal for donation	21
Fee for services provided by Arya Samaj West Midlands	23

For General and Matrimonial Enquiries

Please Ring

Miss Raji (Rajashree) Chauhan (Office Manager)

Monday to Friday between: - 2.30pm to 6.30pm,

Wednesday: - 11.00am to 1.00pm.

Bank Holidays – Closed - Tel. 0121 359 7727

E-mail- enquiries@arya-samaj.org

10 Principles of Arya Samaj

- 1. God is the primary source of all true knowledge and all that is known by its means.(At the beginning of creation, nearly 2 Billion years ago, God gave the knowledge of 4 Vedas to four learned Rishis named Agni, Vayu, Aditya and Angira. Four Vedas called Rig Ved, Yajur Ved, Sam Ved and Atharva Ved contain all true knowledge, spiritual and scientific, known to the world.)**
- 2. God is existent, intelligent and blissful. He is formless, omnipotent, just, merciful, unborn, infinite, invariable (unchangeable), having no beginning, matchless (unparalleled), the support of all, the master of all, omnipresent, omniscient, ever young (imperishable), immortal, fearless, eternal, holy and creator of universe. To him alone worship is due.**
- 3. Vedas are the scripture of all true knowledge. It is paramount duty of all Aryan to read them, teach and recite them to others.**
- 4. All human beings should always be ready to accept the truth and give up untruth.**
- 5. All our actions should be according to the principles of Dharma i.e. after differentiating right from wrong.**
- 6. The primary aim of Arya Samaj is to do good to the human beings of whole world i.e. to its physical, spiritual and social welfare.**
- 7. All human beings ought to be treated with love, justice and according to their merits as dictated by Dharma.**
- 8. We should all promote knowledge (Vidya) and dispel ignorance (Avidya).**
- 9. One should not be content with one's own welfare alone but should look for one's welfare in the welfare of all others.**
- 10. In matters which affect the well being of all people an individual should subordinate any personal rights that are in conflict with the wishes of the majority. In matters that affect him/her alone he/she is free to exercise his/her human rights**

The Road to Meet God

परित्य भूतानि परित्य लोकान् परिदिशः परिस्वः । ऋतस्य तन्तुं विततं विचृत्य
तदपश्यत्तदभवत्तदासीत् ॥ यजुर्वेद ३२.११

Paritaya bhutani paritaya lokan paritaya sarvah pradisho
dishashcha I Upasthaya
prathmajamritasyaatmaanaamaatmaanamabhi sam vivesha II

Yajur Veda 32.11

Meaning in Text Order

Paritaya = having gone through
Bhutaani = many births
Pritaya = having roam around many regions
Paritaya = having passed through
Sarvaah = all
Pradishah = different directions
Dishah = mid quarter
Cha = and
Upasthaaya = through devotion
Pratamjaam-ritasya = true knowledge of the Vedas born at the
dawn of creation
Aatmanaa = through his soul
Aatmaanam = in God
Abhi sam vivesha = with absolute capability the soul enters
into the bliss of God

Meaning

The soul has roamed around many regions and planets in different directions to have concluded that the teachings of Vedas were revealed at the dawn of creation. We can only obtain bliss by devoting ourselves with pure minds to enter into the bliss of God.

Contemplation

The prime ambition of the soul in entering this world is to attain salvation so that in other worlds the soul can gain access to the bliss of God where there is no comfort and no pain. The soul roams around in countless species until he finds that the enjoyments of this world are the cause of both comforts and sorrows. Until an individual soul comes to the conclusion that this glittering world is unable to shower upon him the bliss for which he has taken many births he will not find salvation.

Therefore, it is described in this mantra that the soul roams around in different planets, regions and different directions to taste different types of world. The soul tastes both the good and bad things of the universe in search of peace and bliss. The soul is in different species roaming around many universes is mentioned in Nirukta of Yaskacharya where the soul describes the journey through many births in many regions in the form of many species whilst tasting different types of food.

"I had seen different mothers and fathers and relatives. I have taken birth in the form of human species where my head is downwards, bearing many forms of discomforts. Now I have come to the conclusion that my ultimate goal is to obtain bliss so that I can get rid of taking birth again and again. Nirukta 14/6."

When at last the soul concludes that these worldly comforts will not provide the much sought bliss then the soul detaches himself from the world. These worldly comforts are no longer attractive to him thus he turns towards God and progresses on the path of salvation.

Then he realises that true path is for him is acquired whilst learning the Vedas, which was revealed to mankind at the dawn of creation, and he then takes shelter in the teachings of the Vedas. By following the teachings of the Vedas, he realises the true nature of the soul and his soul awakens. Then he realises his real identity. Then he enters the road to meet God.

By Mr Krishan Chopra

वेदों में विज्ञान-५

आचार्य डॉ. उमेश यादव

अग्नि, होम-द्रव्य और अग्नि-होत्र-विज्ञान

यह तो निश्चित है कि होम द्रव्य अग्नि में पड़ने के बाद सूक्ष्मरूप होकर वायु-मंडल को शुद्ध करते हैं। यह विज्ञानसम्मत है कि जो पदार्थ जितना सूक्ष्म होता है उसकी शक्ति /पोटेंसी उतनी ही बढ़ जाती है। आप समझ सकते हैं-होमियोपथी और वायोकेमिक दवाइयाँ इसी आधार पर काम करती हैं। विज्ञान मानता है कि कोई भी पदार्थ नष्ट नहीं होता बल्कि उसका केवल रूप बदल जाता है जिसका क्रम ठोस-द्रव्य-गैस या स्थूल-सूक्ष्म-गैस रूप होता है। अग्निहोत्र में डाला गया हव्य-पदार्थ जलता हुआ हल्का होकर वायु के साथ मिल जाता है और सर्वत्र फैलता हुआ वायुमंडल को सुगन्धित कर देता है। जहाँ तक सुगन्धित हवा पहुँचती है, वहाँ तक दूषित वायु को शुद्ध करके पर्यावरण वा वायुमंडल के प्रदूषण को दूर करती है। अल्प मात्रा में डाले हुये घी, शक्कर, केसर-कस्तूरी, अगर-तगर, गुगल आदि सब औषधीय पदार्थों से लाखों लोगों को लाभ पहुँचता है।

अग्निहोत्र के लाभ

संक्षिप्त रूप से अग्निहोत्र के लाभों को केन्द्रित करने की कोशिश की जा रही है। आप इस पर चिन्तन कर नीर-क्षीर विवेक कर सकते हैं और वैदिक विज्ञान को बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो सकते हैं।

१. प्रकृति के संतुलन को बनाने में सहायक- स्वच्छ व स्वस्थ प्राणवायु के निर्माण में अग्निहोत्र अत्यन्त सहायक है। इसके प्रयोग से प्रदूषण निश्चित रूप से कम हो

जाता है और वह स्थान रहने योग्य बन जाता है । इससे प्राकृतिक वातावरण संतुलित होने लगता है ।

२. कई प्रकार के मानसिक व बौद्धिक रोगों का निवारण स्वतः होने लगता है । पर्यावरण में फैले प्रदूषण से शारीरिक हानि तो होती ही है, मानसिक व बौद्धिक हानि भी होती है । मानसिक अपराध, दुर्बलता, कुविचार, दुर्व्यसन, आत्महत्या, मानसिक तनाव आदि तमाम कुत्सित कार्य करने की प्रवृत्तियाँ पनपने लगती हैं । अग्निहोत्र-विधि से ऐसे अध्यात्म का विकास होता है कि व्यक्ति इन दूषित प्रवृत्तियों से छूटकारा पा लेता है क्योंकि यहाँ शिवसंकल्प, सद्भाव, शांति व प्रसन्नता मय वातावरण उपस्थित होता है जिससे आत्मशक्ति व ईच्छाशक्ति का साकारात्मक विकास होने लगता है और व्यक्ति इन्हीं सब उत्तम संस्कारों के कारण कुत्सित कार्यों से बच जाता है ।

वैज्ञानिक कारण व प्रमाण

१. विविध वैज्ञानिक अनुसंधानों से सिद्ध हो चुका है कि अग्निहोत्र में प्रयुत होने वाले पदार्थों के जलने से एथिलेन आक्साइड, प्रोपिलेन, एसिटिलेन आदि कुछ ऐसे गैस बनती हैं जो वातावरण को स्वच्छ व स्वस्थ कर देती हैं । एक जर्मन वैज्ञानिक का कथन है-“ मैंने अग्निहोत्र का खुद परीक्षण करके देखा है और पाया है कि भारतीयों के हाथ में यह एक आश्चर्यजनक हथियार है जिसका प्रदूषण-निवारण के लिये प्रयोग किया जाना उपयुक्त है ।

२. न्यू जर्सी अमेरिका में अग्निहोत्र नामक एक संस्था है जिसने इसके कई परीक्षण हो चुके हैं जिससे वहाँ की जनता पर इसका अक्षुण्ण प्रभाव आज भी देखा जा सकता है । वैदिक विद्वान स्व. डॉ. कपिलदेव दिवेदी ने अपनी पुस्तक में इसकी चर्चा की है कि वे स्वयं एक परीक्षण में शामिल थे ।

३. इल्लाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रसिद्ध रसायन-शास्त्री डॉ. स्व. स्वामी सत्यप्रकाश जी वैदिक वैज्ञानिक कहे जाते थे। उन्होंने “अग्निहोत्र” नामक पुस्तक लिखी है। वहाँ प्रयुक्त सामग्री का विश्लेषण करते हुये खोज की है कि अग्निहोत्र में डाली हुयी सामग्री के जलने से कुछ महत्त्वपूर्ण गैसों के साथ एक फौर्मैल्डीहाइड नामक गैस बनती है जो सीधा वायुमंडल में फैल जाती है और पर्यावरण को शुद्ध करती है। यह उत्पन्न कुछ कार्बन डायक्सायड को भी शोध करके अपने में मिला लेती है अर्थात् सी ओ टु भी कुछ हद तक फौर्मैल्डीहाइड में परिवर्तित हो जाता है। यह गैस पानी के वाष्प के साथ मिलकर रोगजन्य किटाणुओं को मार देता है। इसी कारण अग्निहोत्र में जल स्थापन व जलसंचन की व्यवस्था है। पृष्ठ १५३ अग्निहोत्र-स्वामी सत्यप्रकाश पढ़ें।

४. अग्निहोत्र में सस्वर मंत्र-पाठ भी बाहियात ध्वनि-प्रदूषण को स्वस्थ करता है। मंत्रगत सुगठित स्वर, मात्रा, शब्द आदि ये सब श्रवण-मधुरता उत्पन्न करते हैं। मन को प्रसन्न व स्वस्थ करने में ऋषियों की यह प्रक्रिया अत्यन्त सहायक है।

५. फ्रांस के एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक ट्रिलबर्ट ने इसका परीक्षण करके विवरण दिया कि हवन सामग्री में प्रयुक्त शक्कर आदि मिष्ट आदि पदार्थों में वायु को शुद्ध करने की असाधारण शक्ति है। इसका धुआँ भी क्षय/टी.बी., चेचक/चीकन पोक्स, हैजा/कौलरा आदि के किटाणुओं को नष्ट करने की क्षमता रखता है।

६. फ्रांस के ही एक अन्य वैज्ञानिक डॉ. हैफकिन ने कहा कि अग्निहोत्र में डले घी के जलने से अनेक रोगाणु नष्ट हो जाते हैं। चर्म रोग के निवारण में भी सहायक है। त्वचा में चिकनाई आती है अर्थात् खुश्की मिट जाती है।

७. भारतवर्ष के प्रसिद्ध वैदिक विश्वविद्यालय गुरुकुल काँगड़ी हरिद्वार में भी सारा दस्तावेज प्राप्त है जो वहाँ की यज्ञशाला में किये वैज्ञानिक परीक्षण के आधार पर है जो इससे पर्यावरण की शुद्धि का प्रमाण है ।

८. भोपाल गैस कांड एक प्रसिद्ध घटना है । परीक्षण के आधार पर यह उल्लेख मिलता है कि जिन परिवारों में नियमित अग्निहोत्र होता था/है, उन परिवारों में गैस का दुष्प्रभाव कम पाया गया ।

९. पंजाब विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र के प्रोफेसर मान्य डॉ. रामप्रकाश ने अपनी पुस्तक “हवन यज्ञ-प्रदीपिका” पृष्ठ ६७-में फ्रेंच विद्वान डॉ. डेमोसी की पुस्तक ‘ हिन्दु मैसेज ’, मद्रास के एक सेनेटरी -कमिस्नर डॉ. कर्नल किंग, विष्णुदत्त शर्मा, पाश्चात्य वैज्ञानिक विद्वान हाले, पामर, बूंगे आदि अनेक शोधकर्त्ताओं का उल्लेख किया कि सबने यज्ञात्मक अग्निहोत्र से पर्यावरण की शुद्धि की साकारात्मक पुष्टि की है । यह पुस्तक पृ. ५२-६७ विशेष रूप से पढ़ने योग्य है ।

१०. वेद व वैदिक समस्त आर्ष ग्रन्थ भी विज्ञानमूलक मान्य हैं । उदाहरण के लिये ये प्रमाण द्रष्टव्य हैं । १. सिधुभ्यः कर्त्तुं हविः- अथर्ववेद- १.४.३, २. सिन्धुभ्यो हव्यं घृतवत् जुहोत-ऋग्वेद ७.४७.३ , भैषज्ययज्ञा वा एते यत् चातुर्मास्यानि, तस्माद् ऋतुसन्धिषु प्रयुज्यन्ते । ऋतुसन्धिषु वै व्याधिर्जायते । -गोपथ ब्रा. उत्तर. १.१९ । कौषी. ५.१

उपर्युक्त इन तमाम प्रमाणों के आधारों पर यह सिद्ध है कि अग्निहोत्र एक वैज्ञानिक आध्यात्मिक विधि है जिससे वायु-प्रदूषण दूर होता है जिससे वातावरण स्वच्छ व स्वस्थ हो जाता है । उपर्युक्त वैदिक प्रमाणों में अग्निहोत्र से चिकित्सा का उल्लेख मिलता है ।

GAYATRI MANTRA

**OM BHURBHUVAH SVAH
TATSAVITURVARENYAM
BHARGO DEVASYA DHEEMAHI
DHIYO YO NAH PRACHODAYAAT.**

Meaning of Gayatri Mantra:-

- **(OM)** IS THE MAIN NAME OF ALMIGHTY GOD WHICH INCLUDES ALL OTHER NAMES OF GOD.
- **(BHUH)** HE IS LIFE OF LIFE.
- **(BHUVAH)** HE IS THE PROTECTOR FROM ALL THE PAINS.
- **(SWAH)** HE IS ALL BLISS AND GIVER OF ALL BLISS TO HIS DEVOTEES
- **(SAVITUH)** HE IS CREATOR OF ALL UNIVERSE, THE ILLUMINATOR OF ALL THE LUMINOUS BODIES LIKE SUN ETC. THE GIVER OF ALL WISDOM AND WEALTH
- **(DEVASYA)** WE ESTABLISH HIM IN OUR HEART AS MOST DESIRABLE AND VICTORIOUS
- **(VARENYAM)** MOST SUPERIOR TO ACCEPT AND MEDITATE.
- **(BHARGAH)** HE BURNS ALL PAINS AND IS HOLY, SACRED AND PURE BY NATURE.
- **(TAT)** TO THAT ALMIGHTY GOD
- **(DHEMAHI)** WE SHOULD ACCEPT AND HOLD.
- **(YAH)** THAT ALMIGHTY GOD
- **(NAH)** OUR
- **(DHIYAH)** MIND IN BEST ATTRIBUTES, DEED AND NATURE (HABBIT & TEMPERAMENT).
- **(PRACHODAYAT)** INSPIRE US.

Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands

Newly Refurbished Venue Hire

Our new home at 321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR has been newly refurbished and is the perfect venue for you to hire for all your events.

Venue Information:

- **Main Banqueting Hall Seating up to 300+ guests**
 - **Function/Dining Hall With Stage**
 - **Yajna Shala (Havan Room)**
 - **Kitchen Facilities**
 - **On site cleaner**
 - **Parking for events**
 - **Hindu Priest Service**

Our venue is perfect for Weddings, Engagements, Anniversaries, Birthdays for all ages, Religious Ceremonies, Community Events, Family Parties, Meetings, Wakes and all other functions.

**For more information or viewings please call us on
0121 359 7727**

**Monday to Friday between: - 2pm to 6pm,
Except Wednesday: - 10.30am to 1.00pm
Bank Holidays – Closed**

Excellent rates – Vegetarian ONLY – No Alcohol

Children's Corner **Panchatantra Tales**

The Thief and the Brahmins

“Better an intelligent enemy than a foolish friend”.

There was a Brahmin in a certain town, who was a thief. It was believed that he had become a thief due to ill actions in his previous life.

One day, four Brahmins arrived in this town from a far-off place to sell some wares. They had a successful business and earned a handful of money.

The thief watched the Brahmins make money, and thought of stealing the money from them. He approached them as a friend, and soon won their confidence by quoting eloquently from the Holy Scriptures. He requested them to appoint him as their helping hand, to which they agreed.

One day, the Brahmins had sold all their wares. They decided that it would not be proper for them to travel with all the money. So, they purchased jewels with all the money that they had earned. Then, they cut open their thighs and hid the jewels inside. With the help of a special ointment, they healed their cuts.

In this manner, they concealed all their jewels. But, all this happened during the time that the thief was in service. So, he knew where they had hidden all their earnings. The thief wondered, “I have not got a chance to rob them till now. If I can accompany them when they travel homewards, I may be able to get a chance to steal from them on the way. I can poison them on the way, and take away the precious jewels.”

Later, when they started preparing to leave, the thief started weeping. He said, “Dear friends, the very thought of your departure makes me sad. After so many days that we have been together and

shared a bond of love, I will be left all alone after you depart. Please take me along with you.”

The Brahmins were moved by his emotions, and decided to take him with them, and the five of them started the journey.

On their way, they were going through the jungle and were crossing an area controlled by a wild tribe. The chief of the tribe had a magical crow as his pet, who could foresee many things.

As they came near their place, the crow screamed, “Quick! They have treasure! Kill them and take their treasure!”

When the tribesmen heard this, they captured the five friends. They searched them and could not find any treasure.

The Chief said, “You certainly have some treasure with you. The crow has never been wrong before. Hand over your treasure to us, or we will kill you, as the crow suggests. You may have eaten the treasure, and we may have to cut open your stomachs to recover them. Tell us the truth.”

The thief who was also a Brahmin thought, “If they kill any of them, and search their bodies, they will recover jewels from the body. They will not believe me, and kill me too! They will not find any jewels is another matter, but I will die anyway.”

Thus the Brahmin-thief made a firm resolution and said to the chief, “O Chief, you believe we have treasure hidden in our bodies. But it will be a mistake to kill all of us to pay for the crow’s misunderstanding! I offer you myself. You may kill me, cut open my body to the very bones and see if you find any treasure.”

The chief agreed, and thus, the Brahmin-thief sacrificed himself. The tribesmen looked into every bit of his body, but found nothing.

The chief was very confused; he believed that the crow must somehow have misunderstood. He humbly said to the remaining four Brahmins, “O travellers, it was a mistake to kill your friend, for he did not have any hidden treasure. I will not further my mistake

by killing any of you. I release you from my captivity, please continue your journey.”

In this manner, the four Brahmins and the jewels were saved and they continued their journey.

Moral: The wise indeed say: “Better an intelligent enemy than a foolish friend”.



Matrimonial Service

Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands is dedicated to its matrimonial members to provide a service that will help members find a partner for marriage within our community. We feel it is time to make a few changes to help with this process and move forward with the times.

Changes we have made in 2018:

Website:-

- A new data base on the website that will give members an option to add a **photo** if they wish and a space for members to write a **bio** about themselves and what they are looking for in a partner.
- Existing members would have received a letter with information about what we need from you to update your profile. Once you have received this letter please fill it out and send back to us soon as possible, so we can update our **NEW** data base and you can start using the new system.

Matrimonial Service:-

- Members will now be given the **option** to directly contact each other or have the **option** for parents to contact each other.
- All **new** members will be contacted by the office staff for phone conversation during the application process.
- We are also looking in to ways of making our Matrimonial events more successful.
- **Now on facebook -**
<https://www.facebook.com/aryasamajwestmidlands/>

News

Please note

Car Parking for members on Sunday Congregation can safely park their cars on Rookery Road where there is SINGLE YELLOW LINE.

Free Yoga Lesson

**With Dr. Dheeraj Prakash Joshi Yogacharya
Every Thursday - 7pm – 8.15pm
ALL ARE WELCOME!**

Congratulations:

- Mr. Rakesh and Sangeeta Bhardwaj - for their dearest daughter Durvakshi 18th Birthday on 28th May 2019. This was celebrated at Arya Samaj on 30th June 2019 in Sunday Havan. Wishing Durvakshi good health, prosperity and happiness.
- Mr. Shiv Verma and family – for havan to bless their dear son Mr. Bharat Bhushan Verma before entering married life on 29.09.2019 Sunday. Wishing them happy married life.
- Mrs. Sudesh Gupta and family – for being Yajman and sponsoring food on Sunday 22.09.2019. Wishing them good health and happiness.
- Mr J.P. Sethi and family - for being Yajman and sponsoring food on Sunday 06.10.2019. Wishing them good health and happiness.
- Mrs. Brij Bala Duggal and family - for being Yajman and sponsoring food on Sunday 13.10.2019. Wishing them good health and happiness.
- Mrs. Anita Nath and family - for havan to bless her daughter Priya on her birthday and son Rohan for his start in A-Level education. Wishing them good education, good health, prosperity and happiness.
- Mr. Manish and Mrs. Punam Chaudhary – for Grih Pravesh havan and to bless the family. Wishing them good health, prosperity & happiness.

- Mr. Ranveer and Mrs. Gianti Seerutan – for birthday havan to bless daughter Pratiaksha and 3 month old son Ridhan. . Wishing them good education, good health, prosperity and happiness.
- Dr. Pradeep and Dr. Kavita Khanna - for Birthday celebrations for their granddaughters Mia (1st Birthday) and Arya (6th Birthday). Wishing them good education, good health, prosperity and happiness.
- Mr. Mohit and Mrs. Muskan Vatta -for naming ceremony/ Chol ceremony for their son who was named Kian. Wishing him good education, good health, prosperity and happiness.

Many congratulations to all the mentioned families who have had auspicious havan at their residences On different occasions Or Sunday Vedic Satsangs In Arya Samaj Bhavan.

Donations:

- | | |
|---|------|
| • Mr Shiv Verma | £101 |
| • Mr J.P.Sethi | £51 |
| • Mrs B.B. Duggal | £35 |
| • Mrs Renuka Chandan | £30 |
| • Mr Rajiv Datta – | |
| • (for his fathers death anniversary of Mr Hari Krishan Datta.) | £21 |
| • Mr Vijay Kumar | £11 |
| • Mr V Rawal | £10 |

Donations to Arya Samaj West Midland through the Priest-Services:

- | | |
|------------------------|------|
| • Mrs. Anita Nath | £101 |
| • Mr. Manish Chaudhary | £101 |
| • Mr. Ranveer Seerutan | £101 |
| • Dr. Pradeep Khanna | £101 |
| • Mr. Mohit Vatta | £51 |

Members who pay donations by standing order

Name	Amount	Payment
Dr Narendra & Mrs Shama Kumar	£81	Yearly
Anonymous	£100	Yearly
Dr & Mrs Kiran Selvaratnam	£25	Monthly
Dr Narendra & Mrs Shama Kumar	£20	Monthly
Mrs Kanti Bajaj	£20	Monthly
Mrs Nirmal Prinja	£15	Monthly
Dr Saroj Adlakha	£15	Monthly
Dr Umesh Kathuria & Dr Subash Kathuria	£15	Monthly
Dr P.D. Gupta	£11	Monthly
Mrs Sushma Grover	£10	Monthly
Dr Bijay Kumar Singh	£10	Monthly
Mr. Anand Vrat & Mrs. Renuka Chandan	£10	Monthly
Mr R Bali	£10	Monthly
Mr Joginder Pal Sethi	£10	Monthly
Mr Ram Sarup Kohli	£10	Monthly
Mr Swaraj Kumar	£7	Monthly
Mr Amit Khanna	£5	Monthly

Thank you for all your
Donations!

**Please contact Acharya Dr Umeh Yadav on
0121 359 7727
for more information on**

- **Member or non member wishing to be a Yajman in the Sunday congregation to celebrate an occasion or to remember a departed dear one.**
- **Have Havan, sankars, naming, munden, weddings and Ved Path etc performed at home.**
- **Our premises will be licensed for the civil marriage ceremony.**
- **Please join in the Social group at Arya Samaj West Midlands every Wednesday from 11am. Emphasis is on keeping healthy and fit with yoga and Pranayam. Hot vegetarian Lunch is provided at 1pm.**
- **PLEASE NOTE - THERE WILL BE NO RADIO XL VED PRACHAR TALK BY ACHARYA DR UMESH YADAV. THIS HAS BEEN PROSPONED UNTIL MARCH 2020.**

Every effort has been taken that information given is correct and complete. But if any mistake is spotted please inform the office.

0121 359 7727

**E-mail- enquiries@arya-samaj.org
Website: www.arya-samaj.org**

New Building Refurbishment Fund

In month of October following people have donated...

<u>NAME</u>	<u>DONATION</u>
NEW DONATIONS:-	
Mrs Vibha Cale	£500

TOTAL SO FAR - £61,919.15

Thank you!

Haven't Donated Yet ????

**Those of you who would like to donate money to
"Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands"
New building fund please do so now!!!**

Your help is highly appreciated.

**By cheque - Payable to 'Arya Samaj West Midlands' and
send back to us at 321 Rookery Road, Handsworth,
Birmingham, B21 9PR**

or

**Bank Transfer – The Co-operative Bank
Name of account – Arya Samaj (Vedic Mission) West
Midlands**

Account number – 65839135

Sort Code – 08.92.99

Appeal for donation to
Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands
By Standing Order

Dear Members

Sadar Namaste

I hope you are keeping well and in good spirits.

I wrote to you on 15th January 2018 about purchase and refurbishment of our new head quarter of Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands at Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.

I am pleased to inform you that about £60,000 has been donated by generous members and friends of our Arya Samaj. About 90% of building works and refurbishments are complete now.

Now I would like to tell you about present financial facts of our Arya Samaj.

Every year we need about £35,000 funds in order to run our Arya Samaj on sound financial grounds.

According to our audited accounts, presented in AGM on 28th July 2019, we paid £22,584 in wages to our Minister of Religion (Acharya ji), a part time Manager and cleaners. £1816 was paid for Insurance cover, about £2100 for providing Rishi Langar on Sundays when there is no sponsor.

We pay annually £3000 on average for “Arya Voice”, our Monthly bulletin. On top of all this Gas and Electric bills have to be paid every month. One of our main sources of Income, Matrimonial services, was down to only £8370 for year 2018-19.

Recently I visited Hare Rama Hare Krishna temple in Watford. I

saw three big boards in a hall with about 300 names on these boards. At the top it said "PATRONS OF BHAKTIVEDANTA MANOR". These were the names of Annual donors. Their donations are used in maintenance of the building, big outside grounds and running various activities of the temple.

For any institution to survive and flourish REGULAR DONATION is essential.

I know that we are not as big a charity as Hare Rama Hare Krishna are. But we can run our Arya Samaj temple on the same thinking. We will definitely honour regular donors by putting their names on our big board in Swami Shraddhanand Hall.

All we need help from generous donors like you to donate on a regular basis in future.

Donations can be made by signing a Standing order to your Bank to pay £5, £10, £15 a month in to the

**The Co-operative Bank
Name of account of - Arya Samaj (Vedic Mission) West
Midlands Account number- 65839135,
Sort Code- 08.92.99.**

You can donate cash or by cheque if it suits you.

The money donated by you will help our present and future generations.

So please donate generously. No matter how small every donation will be highly appreciated.

Kind regards.

Yours sincerely

Dr. Narendra Kumar
Chairman

Fee for services provided by Arya Samaj West Midlands

- Ordinary membership fee is £20 for 12 months.
- Renewal for ordinary members of ASWM will get reminder letter for their membership fee of £20 each year.
- Matrimonial Service - £90 for 12 months
- Hire of our hall –
 - Maharshi Dayanand Hall - £500 for 4 hours & £100 hourly.
 - Swami Shraddhanand Hall - £400 for 4 hours & £50 hourly.

Donations to Arya Samaj for Priest Service.

- Marriage Ceremony performed by our priest - £400.
- Havan performed at home by our priest –
 - Birmingham and Surrounding Areas - £51
 - 12 Miles Outside of Birmingham - £101
- Cremation & Shanti Havan performed by our priest –
 - Birmingham and Surrounding Areas - £150
 - 12 Miles Outside of Birmingham - £200
 - Shanti Havan at Arya Samaj after cremation - £100